दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 05.09.2021

प्रकाशनार्थ

दिनांक 05.09.2021 गोरखपुर। दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिवार द्वारा अपने नवागत 12 शिक्षकों का स्वागत एवं अभिनन्दन के साथ ही सेवानिवृत्त पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह के विदाई समारोह का आयोजन, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष प्रो. यू.पी. सिंह जी की अध्यक्षता में की गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम डॉ. सुभाषचन्द्र, डॉ. अनिता कुमारी, श्री पीयूष सिंह, डॉ. विभा सिंह, श्री इन्द्रेश पाण्डेय, श्री विवेकानन्द, श्री श्याम सिंह, डॉ. अरविन्द्र कुमार तिवारी, डॉ. सीमा सिंह, श्री विकास पाठक, डॉ. अरविन्द मौर्य तथा डॉ. रामपाल मौर्य का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. यू.पी. सिंह जी ने नवागत शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् एक परिवार है और आप सभी इस परिवार के सदस्य हैं। ऐसी स्थिति में आपका कार्य एक शिक्षक के रूप में और बढ जाता है क्योंकि आप शिक्षक अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए संस्था को आगे बढ़ाने में तथा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के मूल्यों को आत्मसाथ करने और उन्हें समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुँचाने का कार्य आप करेंगे ऐसा मेरा विश्वास है। शिक्षक वह होता है, जो सदैव शिक्षित होता रहता है और अपनी परम्परा, अपने आदर्श और अपनी संस्कृति का सम्वाहक बनता है। उन्होंने आगे कहा कि डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के सदस्य के रूप में हैं और परिवार में किसी सदस्य का सेवानिवृत्ति नहीं होता है बल्कि उनके दायित्व में परिवर्तन मात्र होता है। डॉ. सिंह एक ऐसे कर्मठ और समर्पित प्राचार्य के रूप में रहें हैं जिनके अथक प्रयास से संस्था को नैक द्वारा B++ ग्रेड प्राप्त हुआ, यह हम सभी के लिए सम्मान का विषय है।

उक्त अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करतें हुए कहा कि हमारे महाविद्यालय में जो विदाई और स्वागत की परम्परा है वह मात्र शब्दों में बॉध देने वाली अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि एक ऐसी परम्परा है जहॉ एक पीढ़ि दूसरे पीढि को अपने संस्कार, विचार, मूल्य और अपनी संस्कृति को आदर्श के रूप में समाज के सामने प्रस्तुत करता है। उन्होंने निवर्तमान प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह के सम्बन्ध में कहा कि वे एक आदर्श शिक्षक तथा प्राचार्य के रूप में एक अद्भूत कर्मयोगी के भॉति समर्पण की भावना के साथ महाविद्यालय को उच्च शिखर पर स्थापित करने का सतत् प्रयास किया है। वे तथा उनके आदर्श हमारे लिए सदैव अनुकरणीय रहेंगे।

गुआक्टा के महामंत्री तथा प्राचीन इतिहास के प्रभारी डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि एक शिक्षक की मर्यादा और बढ़ जाती है क्योंकि एक आदर्श समाज और राष्ट्र का निर्माण करने में उसका योगदान अपेक्षित होता है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना सिंह द्वारा किया गया तथा आभार ज्ञापन बी.एड़. विभाग के प्रभारी डॉ. गीता सिंह द्वारा किया गया।

उक्त अवसर पर डॉ. सत्येन्द्र सिंह, डॉ. परीक्षित सिंह, डॉ. अरूण कुमार तिवारी, डॉ. शशिप्रभा सिंह, डॉ. सत्यपाल सिंह, श्री अनील भाष्कर, डॉ. विवेक शाही, डॉ. आर.पी. यादव, डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह, डॉ. चण्डी पाण्डेय, डॉ. राकेश सिंह, डॉ. भगवान सिंह, डॉ. संजीव सिंह, श्री दीपक सहानी, डॉ. रूक्मिणी चौधरी, डॉ. प्रियंका सिंह सहित महाविद्यालय अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहें।

डॉ शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी सूचना एवं जनसंपर्क